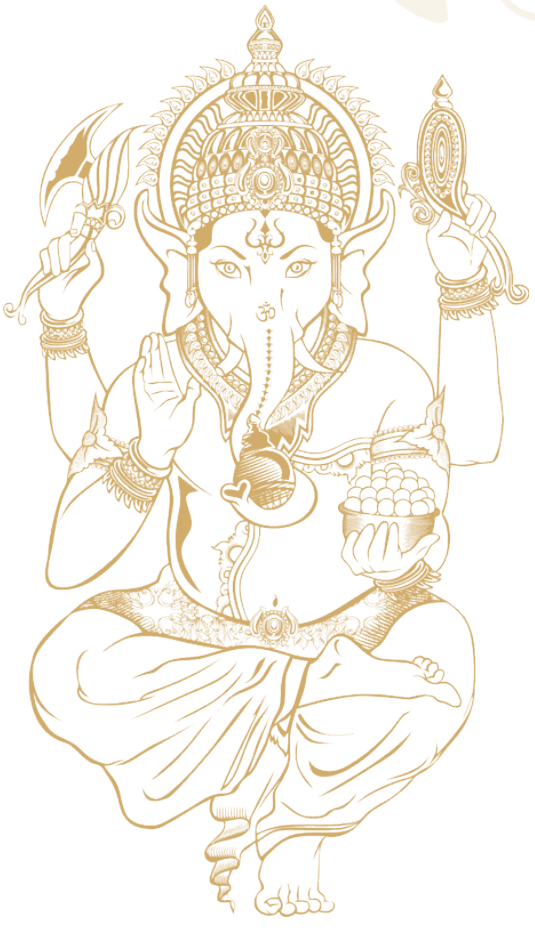

Lehar khann

27 Sep 1999

11:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121598505

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/09/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:00:00 घंटे**
इष्ट	42:00:31 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:08:47 घंटे
साम्पातिक काल	23:03:07 घंटे
सूर्योदय	06:11:47 घंटे
सूर्यास्त	18:12:25 घंटे
दिनमान	12:00:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:18:43 कन्या
लग्न के अंश	05:40:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	05:40:17	331:41:07	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	10:18:43	00:58:50	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	सम राशि
चंद्र			मेष	10:47:05	14:32:25	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			वृश्चि	22:31:48	00:41:10	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	24:46:27	01:34:28	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु	व		मेष	09:19:12	00:06:10	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	29:45:11	00:32:02	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:37:10	00:02:53	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	17:45:25	00:07:53	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	17:45:25	00:07:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:16:42	00:01:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:48:41	00:00:32	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:19:04	00:01:16	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	20:42:15	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:58

लग्न-चलित

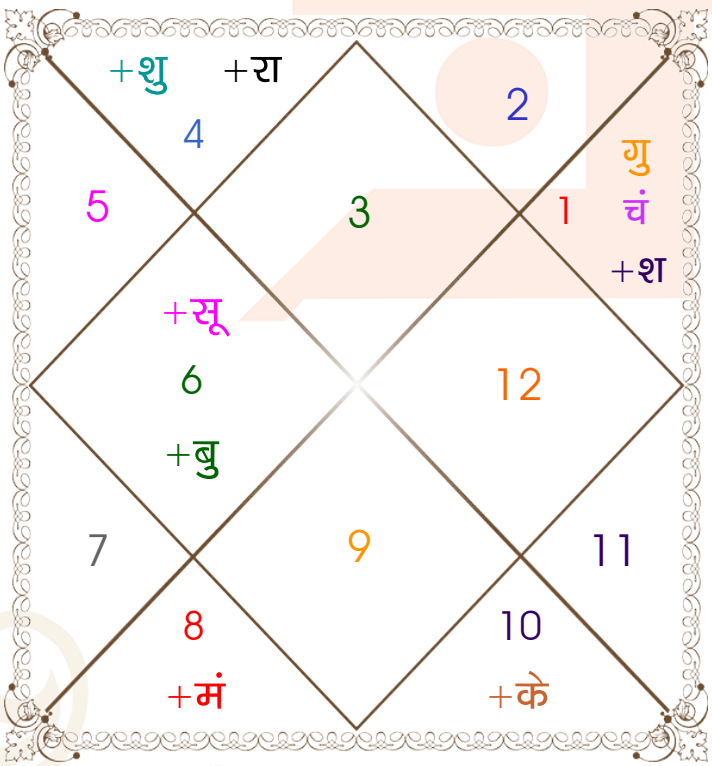

चन्द्र कुंडली

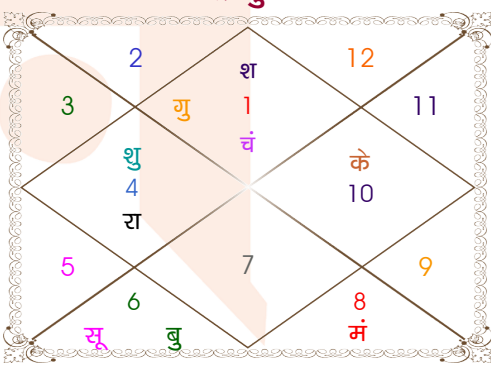

नवमांश कुंडली

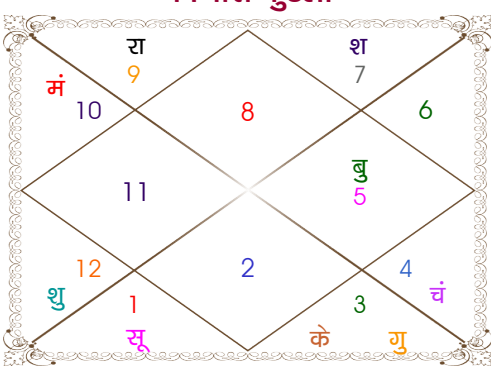

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 4 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/09/1999		28/01/2001		28/01/2021		29/01/2027		28/01/2037	
28/01/2001		28/01/2021		29/01/2027		28/01/2037		29/01/2044	
	00/00/0000	शुक्र	30/05/2004	सूर्य	18/05/2021	चंद्र	29/11/2027	मंगल	26/06/2037
	00/00/0000	सूर्य	30/05/2005	चंद्र	16/11/2021	मंगल	29/06/2028	राहु	15/07/2038
	00/00/0000	चंद्र	29/01/2007	मंगल	24/03/2022	राहु	29/12/2029	गुरु	21/06/2039
	00/00/0000	मंगल	30/03/2008	राहु	16/02/2023	गुरु	30/04/2031	शनि	30/07/2040
	00/00/0000	राहु	31/03/2011	गुरु	05/12/2023	शनि	28/11/2032	बुध	27/07/2041
	00/00/0000	गुरु	29/11/2013	शनि	16/11/2024	बुध	30/04/2034	केतु	23/12/2041
	27/09/1999	शनि	28/01/2017	बुध	23/09/2025	केतु	29/11/2034	शुक्र	22/02/2043
शनि	01/02/2000	बुध	29/11/2019	केतु	28/01/2026	शुक्र	30/07/2036	सूर्य	30/06/2043
बुध	28/01/2001	केतु	28/01/2021	शुक्र	29/01/2027	सूर्य	28/01/2037	चंद्र	29/01/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/01/2044		28/01/2062		28/01/2078		28/01/2097		29/01/2114	
28/01/2062		28/01/2078		28/01/2097		29/01/2114		00/00/0000	
राहु	11/10/2046	गुरु	18/03/2064	शनि	31/01/2081	बुध	27/06/2099	केतु	28/06/2114
गुरु	06/03/2049	शनि	29/09/2066	बुध	11/10/2083	केतु	24/06/2100	शुक्र	28/08/2115
शनि	11/01/2052	बुध	04/01/2069	केतु	19/11/2084	शुक्र	25/04/2103	सूर्य	03/01/2116
बुध	30/07/2054	केतु	11/12/2069	शुक्र	20/01/2088	सूर्य	29/02/2104	चंद्र	03/08/2116
केतु	18/08/2055	शुक्र	11/08/2072	सूर्य	01/01/2089	चंद्र	31/07/2105	मंगल	30/12/2116
शुक्र	17/08/2058	सूर्य	30/05/2073	चंद्र	02/08/2090	मंगल	28/07/2106	राहु	17/01/2118
सूर्य	12/07/2059	चंद्र	29/09/2074	मंगल	11/09/2091	राहु	13/02/2109	गुरु	24/12/2118
चंद्र	10/01/2061	मंगल	05/09/2075	राहु	18/07/2094	गुरु	22/05/2111	शनि	28/09/2119
मंगल	28/01/2062	राहु	28/01/2078	गुरु	28/01/2097	शनि	29/01/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबली लंबी एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।